दिया गया था, वहां पर एक हाल्ट खोलने का प्रस्ताव था लेकिन इसी बीच उस स्थान को बदलकर चक न० 34 एस० टी० जी० का एक नया प्रस्ताव आया। इस नये प्रस्ताव की जांच की गयी और ज्ञात हुआ कि चूंकि यह स्थान, राजस्थान नहर पर बनाये जा रहे पुल के पास है, अतः मिट्टी डालने में भारी खर्च होगा और वित्तीय दृष्टि से इस प्रस्ताव का कोई औचित्य नहीं है। उसके बाद रेल प्रशासन द्वारा इस स्थल से एक किलोमीटर से कम दूरी पर एक नया स्थान प्रस्तावित किया गया क्योंकि वहां पर बहुत कम खर्च होता। लेकिन, आग्रह था कि यदि 126/68 कि० मी० अर्थात चक न० 34 एस० टी० जी० पर स्टेशन नही खोला जा सकता तो बेहतर होगा कि मूल प्रस्ताव के अनुसार अमरपुरा राठान पर स्टेशन न खोला जाय। चूंकि इससे रेल प्रशासन को भारी आवर्तक वित्तीय हानि होती, अतः यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जा सका।

अभ्रक उद्योग में संकट

8036. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **विदेश व्यापार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल में अभ्रक उद्योग संकट में रहा है;

(ख) क्या उक्त उद्योग को वर्तमान संकट से बचाने के लिये सरकार ने कोई आवश्यक निदेश जारी किये हैं; और

(ग) क्या इस सम्बन्ध में सरकार को बिहार सरकार का कोई ज्ञापन प्राप्त हुआ है ?

विदेश व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) से (ग). खनन तथा अभ्रक के आन्तरिक व्यापार के राष्ट्रीयकरण के संबंध में आशंकायें व्यक्त की गई थी। इस बीच यह स्पष्ट कर दिया गया है कि इसका आशय यह है कि खनिज तथा धातु व्यापार निगम को बाजार मे प्रवेश करना चाहिए और लघु निर्यातकों, साधिन करने वालों तथा खानों के मालिकों से अभ्रक खरीद कर स्वयं उसका निर्यात करना चाहिए।

कांडला पत्तन में किया जाने वाला वार्षिक व्यापार तथा नये निर्बाध व्यापार क्षेत्र के लिए कार्यवाही

8037. **श्री जगन्नाथ राव जोशी** : क्या **विदेश व्यापार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों मे वर्षवार कांडला पत्तन के निर्बाध व्यापार क्षेत्र मे कितना व्यापार हुआ; और

(ख) व्यापार के विकास के लिए तथा देश में नये निर्बाध व्यापार क्षेत्र स्थापित करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

विदेश व्यापार मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) विगत तीन वर्षों के दौरान कांडला मे निर्बाध व्यापार क्षेत्र द्वारा किए गए व्यापार की मात्रा निम्नोक्त प्रकार है.—

	आयात		निर्यात	
वर्ष	मात्रा (किग्रा)	मूल्य (रु०)	मात्रा (किग्रा)	(मूल्य रु०)
1969-70	3,67,192	52,45,178	2,46,885	58,02,063
1970-71	7,35,381	46,52,153	2,39,989	34,46,445
1971-72	2,55,853	28,76,789	6,70,031	81,46,027

(ख) व्यापार बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम इस प्रकार हैं :

(1) क्षेत्र में उद्योगो को स्थापित करने से सम्बन्धित मामलों पर शीघ्रतापूर्वक निर्णय लेने के